

NEST TIDINGS



JUNE'25 | VOL: 44

PVR NEST Beginnings:

Empowering Women for a Better Future

June at PVR NEST marked a month of collective reflection, learning, and grassroots action across our Pink Centres and Garima Grih. Each initiative taken forward was designed to address some of the most critical issues affecting women and children in urban informal communities — from menstrual hygiene and mental health to nutrition, child protection, and the right to play.

These efforts are grounded in our commitment to advancing the Sustainable Development Goals (SDGs) — particularly those related to good health and well-being, gender equality, and inclusive, equitable education. By creating safe, inclusive public spaces and mobilizing communities, we continue to ensure that the voices of women and children are heard, supported, and empowered.

Thank you to our community leaders, partners, and team for building this momentum with us.

Happy reading!

Team PVR NEST

International Yoga Day & World Music Day

Celebrated at our Pink Centres and Garima Grih, these sessions emphasized the importance of both physical and mental well-being in everyday life. Participants explored how yoga improves health and stress management, while music serves as a channel for emotional expression and connection.



These celebrations directly contributed to SDG 3: Good Health and Well-being, by encouraging healthier lifestyles and emotional resilience among women and youth. Around 80–100 participants, including homemakers and adolescents, joined the group sessions and interactive discussions.



Menstrual Hygiene Day Celebration



In collaboration with Room to Read, we hosted a powerful session at Garima Grih to raise awareness around menstrual hygiene. Through expressive activities like “Draw the Feeling,” myth-busting exercises, open dialogue, and the “Red Dot Pledge,” the session encouraged women and girls to speak openly, challenge taboos, and prioritize their own health.

This initiative contributed to SDG 5: Gender Equality and SDG 3: Good Health and Well-being, by creating informed, stigma-free spaces around menstruation and promoting access to knowledge and dignity.

Feeding and World Child Labour Day



Held across Garima Grih and Pink Centres including Vikaspuri, Gaffar Market, RK Puram, and Amar Colony, this special event brought together learning, nourishment, and play. Children participated in interactive sessions focused on their rights to education, protection, and care. Nutritious meals (rajma chawal) were served to over 100 children, and handwashing and hygiene practices were reinforced.

This initiative supported SDG 2: Zero Hunger, SDG 4: Quality Education, and SDG 16: Peace, Justice and Strong Institutions, by highlighting child rights and addressing immediate nutritional needs.

Feeding and Sports Session



Children at Garima Grih and Gaffar Market participated in a day of play, sports, and shared meals. These activities promoted physical development, joy, and well-being. Following the session, a healthy meal of mix rice was served to 100 children, coupled with awareness on hand hygiene and balanced nutrition. The session aligned with SDG 3: Good Health and Well-being and SDG 10: Reduced Inequalities, encouraging holistic development in under-resourced environments.

Special Screening on Dr. Kiran Bedi's Birthday



In celebration of Dr. Kiran Bedi's birthday, a special screening of Kesari 2 was hosted at PVR Anupam, Saket. More than 300 attendees from India Vision Foundation and Navjyoti India Foundation, including youth, students, and staff, came together alongside the PVR NEST cohort. The event celebrated leadership, courage, and collective responsibility.

Service Data



3,105

SANITATION TO SKILLING

Skilling programs tap users of sanitation facilities at Pink Centres and Garima Grih, spurring steady growth and raising community aspirations for learning new skills.

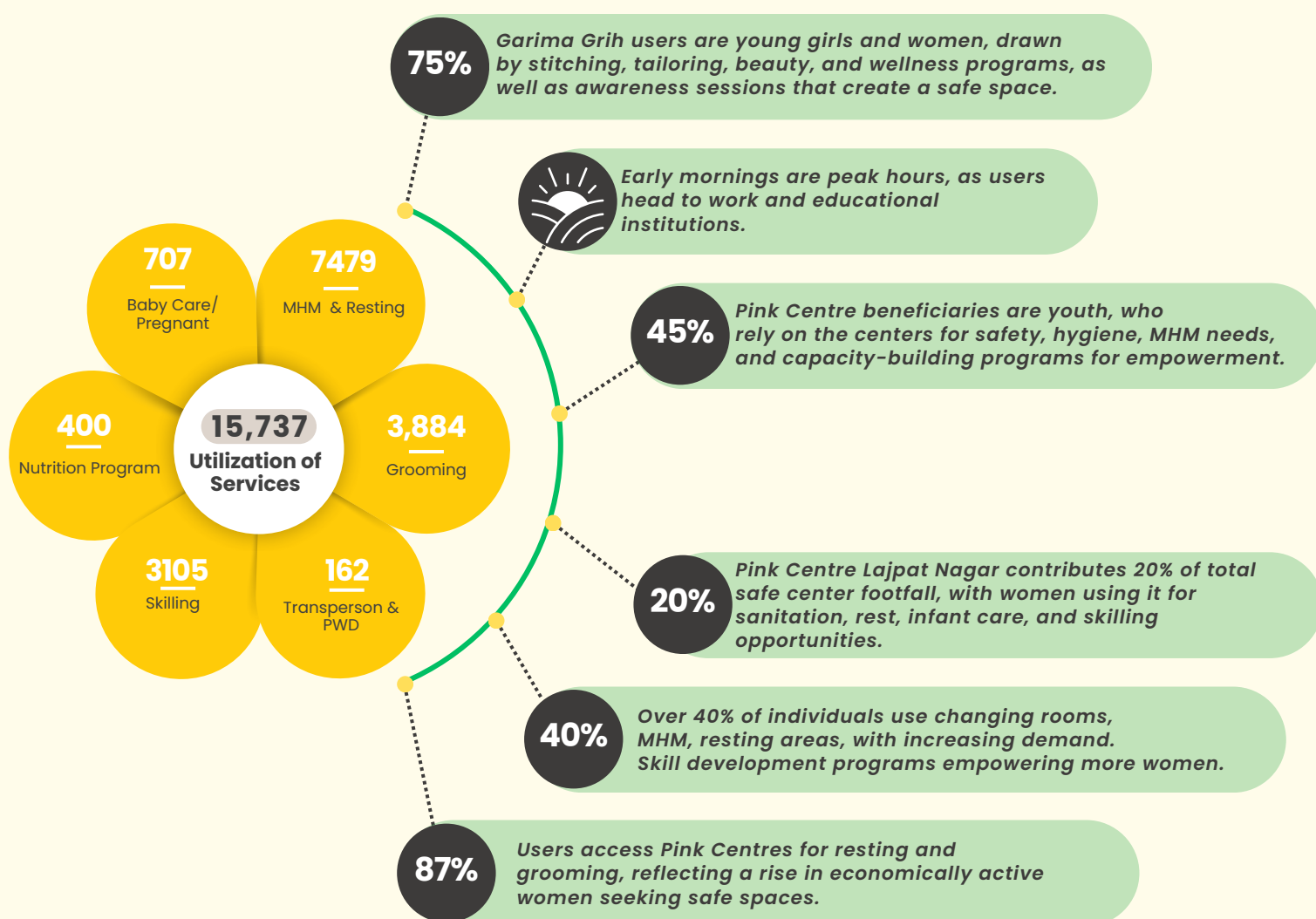


77,711

WASH

Data Collection of users is also the responsibility entrusted to the WASH Champions. There is a process in place to capture the usage of all amenities provided in the Safe Centre.

Utilization of Services - 15,737 | Overall analysis



Impact Stories

1

Beauty & wellness and stitching skilling program



खुशी

मेरा नाम खुशी है और मेरी उम्र 14 साल है। मैं एकता विहार में रहती हूँ और इस समय दसवीं कक्षा में पढ़ रही हूँ। शुरुआत में मैं गरिमा गृह में सिलाई सीखने आती थी, लेकिन धीरे-धीरे मेरी रुचि ब्यूटी पार्लर के काम में भी बनने लगी। अब मैं पार्लर का कोर्स भी कर रही हूँ। मुझे पार्लर का काम सीखना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें कुछ नया सीखने को मिलता है और आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुलता है। मैं आगे चलकर पार्लर का पूरा कोर्स करना चाहती हूँ और भविष्य में अपना खुद का ब्यूटी पार्लर खोलना चाहती हूँ ताकि मैं अपने पैरों पर खड़ी हो सकूँ और अपने परिवार को सपोर्ट कर सकूँ। धन्यवाद।

शिखा देवी

मेरा नाम शिखा देवी है। मैं सोनिया कैप में रहती हूँ। मैंने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और मैं एक गृहिणी हूँ। मुझे अपने पड़ोसी से पता चला कि गरिमा गृह में सिलाई सिखाई जाती है, तो मैं वहाँ गई और सिलाई सीखने लगी। अब मुझे सिलाई अच्छे से आ गई है। मैं खुद के कपड़े सिलती हूँ और अपने पड़ोसियों के भी कपड़े सिलती हूँ। इससे जो आमदनी होती है, उससे मैं अपने बच्चों पर खर्च करती हूँ।

मुझे बहुत खुशी होती है कि अब मैं अपने पैरों पर खड़ी हो गई हूँ और अपने लिए कुछ कर रही हूँ। मैं आगे भी सिलाई सीखना चाहती हूँ, ताकि भविष्य में अपना खुद का सिलाई केंद्र खोल सकूँ।



Impact Stories

2

Digital Skilling Program



पूजा ठाकुर

पहले हैंडबैग शोरूम में काम करती थीं, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से नौकरी छोड़नी पड़ी। गारिमा गृह से जुड़ने पर शुरुआत में हिचकिचाहट थी, पर वहां पहुंचकर नए कौशल सीखने का अवसर मिला। अब सिलाई, ब्यूटी पार्लर और कंप्यूटर जैसे कोर्स कर रही हैं। साथ ही डिजिटल ट्रेनर बनने की तैयारी है। गारिमा गृह ने आत्मविश्वास बढ़ाया और भविष्य की राह खोली।

अंजलि

20 वर्षीय अंजलि बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं और गारिमा गृह में सिलाई और बेसिक कंप्यूटर कोर्स सीख रही हैं। उन्हें डिजिटल क्षेत्र में गहरी रुचि है और वे भविष्य में कंप्यूटर ट्रेनर बनकर अन्य युवाओं को सशक्त बनाना चाहती हैं। अंजलि आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ अपने परिवार को भी आर्थिक सहयोग देना चाहती हैं।



Impact Stories

3

Users



खुशबू पांडे

नमस्ते, मेरा नाम खुशबू पांडे है और मेरी उम्र 25 साल है। मैं इस समय 8 महीने की प्रेग्नेंट हूँ। एक दिन मैं घूमने निकली थी, तभी मुझे किसी ने PVR Nest Pink Washroom के बारे में बताया। जब मैं वहां पहुंची, तो वहां की साफ-सफाई, शांत वातावरण और बैठने की सुविधा देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा। प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए ऐसी जगह बहुत जरूरी होती है, जहां वे आराम से बैठ सकें और स्वच्छ टॉयलेट का इस्तेमाल कर सकें। मैं दिल से धन्यवाद देती हूँ PVR Nest और उसकी टीम को, जिन्होंने महिलाओं की जरूरतों को समझते हुए इतना अच्छा स्पेस तैयार किया। ऐसी सुविधाएं हर जगह होनी चाहिए ताकि किसी भी महिला को कभी भी असुविधा न हो। धन्यवाद।

रुबीना बानो

मेरा नाम रुबीना बानो है, मेरी उम्र 40 साल है और मैं कानपुर से हूँ। मैं दिल्ली घूमने आई थी और गणपति मंदिर में शॉपिंग कर रही थी। जब मुझे वॉशरूम की जरूरत पड़ी तो मैंने आसपास पूछा, तभी किसी ने मुझे पिंक टॉयलेट के बारे में बताया। जब मैं यहां आई, तो मुझे यह जगह बहुत पसंद आई। वॉशरूम बहुत साफ-सुथरा और सुरक्षित है। यहां का स्टाफ बहुत सहयोगी है और उन्होंने मुझे वॉशरूम की सुविधाओं के बारे में अच्छे से जानकारी दी। मुझे बहुत अच्छा लगा कि महिलाओं के लिए ऐसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मैं PVR Nest और उनकी टीम का दिल से धन्यवाद करती हूँ, जिन्होंने महिलाओं की जरूरतों का ध्यान रखते हुए इतनी बेहतरीन सुविधा दी।



GET IN TOUCH



PVR INOX Ltd, Building 9A, DLF Cyber City, DLF Phase 3,
Gurugram, Haryana, 122002